**चीनी का वितरण**

2546. **श्री मीर्जा इर्शादबेग** : क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार चीनी की वितरण व्यवस्था में परिवर्तन करने का विचार रखती है ;

(ख) क्या उपभोक्ताओं को 500 ग्राम के पैकटों में चीनी उपलब्ध कराने की कोई मांग है ; और

(ग) सरकार उस पर क्या निर्णय करने का विचार रखती है ?

**खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय** के राज्य मंत्री (**श्री के० पी० सिंह देव**) : (क) जी नहीं ।

(ख) और (ग) केन्द्रीय सरकार को पैकेटों में चीनी की सप्लाई करने की कोई मांग प्राप्त नहीं हुई है । तथापि, केन्द्रीय सरकार ने राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सुझाव दिया है कि वे प्रायोगिक आधार पर दस लाख तथा उससे अधिक आबादी वाले शहरों और साथ ही राज्य मुख्यालयों, चाहे उनकी आबादी दस लाख से कम ही क्यों न हो, के उपभोक्ताओं को उनकी इच्छा पर गेहू, चावल तथा लेवी चीनी, पहले पैक किए गए पैकेटों में सप्लाई करने का प्रयास करें ।

**देश में जल संसाधनों का जायजा**

2547. **श्री मीर्जा इर्शादबेग** : क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने वाशिंगटन, अमरीका के "वर्ल्ड वाच इंस्टीट्यूट" द्वारा दी गई रिपोर्ट के बारे में जांच की है जिसमें यह कहा गया है कि आगामी बीस वर्षों में जल की अत्यन्त कमी होगी और भूतल के जल संसाधन समाप्त हो जायेंगे ;

(ख) क्या भारत के जल संसाधनों की क्षमता तथा आगामी वर्षों में देश की जल आवश्यकता का पता लगाया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो उस जायजे का क्या परिणाम निकला है और इस संबंध में आगामी वर्षों के दौरान सरकार का क्या कार्यक्रम है ?

जल **संसाधन** मंत्री (**श्री बी० शंकरानंद**): (क) सरकार ने "वर्ल्ड" वाच इन्स्टीट्यूट के प्रकाशन में टिप्पणियां नोट की हैं और देश में जल संसाधनों की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखे हुए हैं ।

(ख) और (ग) देश में कुल जल संसाधन 238 मिलियन हैक्टेयर मीटर आंके गये है जिसमें से अनुमान है कि लगभग 131 मिलिन हैक्टेयर मीटर का चरम अवस्था में उपयोग किया जा सकता है । सभी जरूरतों के जल का उपयोग 1985 में 54 मिलियन हैक्टेयर मीटर, 2000 ए० डी० में 75 हैक्टेयर मीटर और 2025 ए० डी० में 105 मिलियन हेक्टेयर आंका गया है । जल संसाधनों का कारगर उपयोग सुनिश्चित करने हेतु सिचाई के लिए जल का किफायती प्रयोग, भू जल का कृत्रिम रिचार्ज, जल की किस्म की मानीटरी तथा जल का अन्तर-बेसिन स्थानान्तरण जैसे उपायों की परिकल्पना की गई है ।

**तटवर्ती भूमि का खारापन**

2548. **श्री मीर्जा इर्शादबेग**: क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तटवर्ती भूमि के खारेपन (Salinity) की सीमा का पता लगाने का क्या तरीका है और प्रत्येक वर्ष यह किस सीमा तक फैल रहा है,

(ख) इसके विस्तार को रोकने हेतु क्या उपचारी उपाय किये गये है और उनसे अब तक क्या परिणाम निकले हैं ; और

(ग) इस संबंध में सातवीं पंचवर्षीय योजना में क्या कदम उठाए जाने का विचार है और क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं ?